

वहां पर बड़ा अच्छा रेस्पॉस मिला हैं। इससे भारत को एक नई territory मिल जाएगी।(व्यवधान)... मैं उस पर आ रहा हूं(व्यवधान)... मैं उस पर आ रहा हूं। 'खुदा के लिए' और 'सलाखें' अभी-अभी यहां पर रिलीज हुई है, उनको बड़ा पंसद किया जा रहा हैं। यह हमारे और उनके, दोनों देशों के लिए, बहुत अच्छा रहेगा अगर फिल्में रिलीज की जाएं और आगे आने वाले टाइम में- महेश भट्ट जी ने इसके ऊपर कुछ प्रयास किया है, लेकिन वह अभी पूरे तरीके से नहीं हैं। हम भारत सरकार से अनुरोध करेंगे कि इसे किया जाए।(व्यवधान)... यह सभी लोग चाहते हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): The time is over.(Interruptions)... Time is over.(Interruptions)... Now, Shri Ali Anwar Ansari.

Increasing cases of attacks on journalists in Uttar Pradesh

श्री अली अनवर अंसारी(बिहारी): महोदय, उत्तर प्रदेश में पत्रकारों को torture किया जा रहा हैं, प्रताड़ित किया जा रहा हैं तथा उन पर गलत मुकदमें किये जा रहे हैं। जनता की सही खबर छापने के लिए उनको फंसाया जा रहा हैं। हम आपको बता रहे हैं कि एक अखबार के पूर्व सम्पादक रह चुके 65 साल के श्री मेहरुदीन खान साहब हैं। उनके भतीजे पर एक लड़की के अपहरण का मुकदमा हुआ। उसमें मेहरुदीन खान को और उनके लड़के को पुलिस ने आधी रात में पकड़ कर उनको घसीटते हुए ले जा कर जेल में बंद कर दिया हैं। पुलिस उनकी लड़कियों के यहां छापा मार रही हैं तथा उनके रिश्तेदारों को सता रही हैं। वह 65 साल के हैं और सब लोग उन्हें जानते हैं। मैं उनको पर्सनली जानता हूं कि वह एक बहुत बड़े पत्रकार हैं और एक शालीन आदमी हैं। उनको इस तरह से वहां प्रताड़ित किया जा रहा हैं और गलत केस में उनको फंसाया गया हैं।

महोदय, इलाहाबाद के एक पत्रकार श्री श्यामेन्द्र कुशवाहा हैं। उनका अपहरण कर लिया गया। किसी तरह से वह अपहरणकर्ताओं से अपने को बचा कर भागे हैं। वहां पत्रकारों का अपहरण को रहा हैं। उसी तरह से एक श्री समीनुदीन नीलू साहब हैं, जिनको पुलिस ने एनकाउंटर करना चाएं। किसी तरह से वह जनता के दबाव से बच गए, तो उन पर तस्करी का आरोप लगाकर उनको जेल में बंद कर दिया गया। मानवाधिकार आयोग ने वहां के डी.जी.पी. को वहां के गृह सविव को तलब किया हैं।

महोदय, वहां इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। तथा इस तरह से पत्रकारों को जो जनता के दुख दर्द की-वहां पर अकलियत के लोगों को, मुसलमानों को, गरीब लोगों को फंसाया जा रहा हैं। उसकी खबर मेहरुदीन खान साहब ने छापी थी, जिसके चलते उनको पकड़ कर के जेल में बंद किया गया हैं। हमारे यहां बिहार में इस तरह की व्यवस्था हैं कि अगर किसी पत्रकार को अरेस्ट करना हैं, तो आप को आला अधिकारियों जैसे डी.जी.पी./चीफ सेक्रेटरी से इजाजत लेनी होगी, कोई नीचे का अधिकारी इन लोगों को पकड़कर गिरफ्तार नहीं कर सकेगा। इसलिए महोदय, आप निर्देश दें या कोई मंत्री हो तो बताएं कियह किस तरह का व्यवहार उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के साथ रहा हैं? क्यों उनको प्रताड़ित किया जा रहा हैं? आप अपने आसन से आदेश दें, कोई मंत्री हैं तो आप आदेश दें कि वहां क्यों इस तरह से रहा रहा हैं। महोदय, 65 साल का वह आदमी 15 दिन से जेल में बंद हैं। वह नवभारत टाइम्स जैसे अखबार में न्यूज एडीटर रहे हैं, कई अखबारों में एडीटर रहे हैं और एक लंबे समय से, जब से हमने होश संभाला हैं, तब से उनके लेख अखबारों में बढ़ रहे हैं। वह लेखक भी हैं, उन्होंने कई किताबें भी लिखी हैं।

महोदय, इस तरह से उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के साथ जो घटनाएं हो रही हैं, वह शर्मनाम हैं।

श्री शाहिदी सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं अली अनवर अंसारी जी के साथ एसोसिएट करता हूं

شہری شاہد صدیقی (ائز پرنسپل) : سر, میں شہری علی انور انصاری جی کے ساتھ

ایسووسی ایٹ کرتا ہوں۔

श्री बनवारी लाल कंछल (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

श्री रमा नारायण साहू (उत्तर प्रदेश): मैं एसोसिएट करता हूं।(व्यवधान)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): The time is over.